www.sgbauonline.com

AR–352

B.A. (Part—III) Examination
(Optional Subject)
PHILOSOPHY
(B) Epistemology and Metaphysics

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

N.B. :— (1) **ALL** questions are compulsory.
(2) All questions carry equal marks.

SECTION—A
(Indian)

1. Choose proper options : 10×2=20

(1) Nyayadarshan suggested the Pramanyavada :
- (a) Swath Pramanyavada
- (b) Parath Pramanyavada
- (c) Both
- (d) None of the above

(2) Inference is Praman according to :
- (a) Charvak Darshan
- (b) Nyaya Darshan
- (c) Both
- (d) None of the above

(3) Aprama is :
- (a) Valid Knowledge
- (b) Invalid Knowledge
- (c) Mental Knowledge
- (d) None of the above

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(4) Arthapatti is Praman according to :

(a) Nyaya

(b) Charvaka

(c) Mimansa

(d) None of the above

(5) The object remember again which is seen by post event known as :

(a) Nirvikalpa Pratakshya

(b) Savikalpa Pratakshya

(c) Pratybhindnya

(d) None of the above

(6) Anupalabdhi is :

(a) Knowledge by Inference

(b) Knowledge by Upaman

(c) Direct Knowledge of Abhav

(d) Perceptual Knowledge

(7) When the Inference is related to one's self it is called :

(a) Swartha Inference

(b) Parartha Inference

(c) Purvavat Inference

(d) Sheshvat Inference

(8) Praman is :

(a) Means of Knowledge

(b) Reason

(c) Mental Knowledge

(d) Means of Prama

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(9) Upaman is :

(a) Equality of two things

(b) Object in memory is same to present object

(c) Equality of two different things

(d) Equality of two unequal things

(10) In which inference do we infer an unknown event from a known cause ?

(a) Purvavat

(b) Sheshvat

(c) Samanyato Drishya

(d) All of the above

2. According to Jain, describe Jiva-Ajiva Padartha. 20

OR

According to 'Advaita-Vedanta' explain the concept of Brahma. 20

SECTION—B

(Western)

3. Write briefly :

(i) Nature of 'Rationalism'. 10

(ii) Nature of 'Empiricism'. 10

OR

(a) 'Authority' as a source of knowledge. 10

(b) 'Sense experience' as a source of knowledge. 10

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. Write briefly :

(i) Pragmatic theory of Truth. 10

(ii) Corresponds theory of Truth. 10

OR

(a) Apriori Concept. 5

(b) Aposteriori Concept. 5

(c) Analytic and Synthetic Judgement. 10

5. Explain fully the 'Substance' as a Metaphysical Concept. 20

OR

Explain fully the 'Materialism' as a Metaphysical concept. 20

(मराठी माध्यम)

सूचना :—(1) **सर्व** प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

विभाग—अ

(भारतीय)

1. योग्य पर्याय निवडा : 10×2=20

(1) प्रामाण्यवादासंबंधी न्यायदर्शन समर्थन करतात :

(अ) स्वत: प्रामाण्यवाद

(ब) परत: प्रामाण्यवाद

(क) दोन्ही

(ड) वरीलपैकी एकही नाही

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(2) अनुमान प्रमाण मानलेले आहे :

(अ) चार्वाक दर्शनाने

(ब) न्याय दर्शनाने

(क) दोन्ही दर्शनाने

(ड) वरीलपैकी एकही नाही

(3) अप्रमा आहे :

(अ) यथार्थ ज्ञान

(ब) अयथार्थ ज्ञान

(क) मानसिक ज्ञान

(ड) वरीलपैकी एकही नाही

(4) अर्थापत्ती प्रमाण मानलेले आहे :

(अ) न्यायांनी

(ब) चार्वाकांनी

(क) मीमांसकांनी

(ड) वरीलपैकी एकही नाही

(5) पूर्वी पाहिलेल्या वस्तुला पुन्हा ओळखणे याला म्हणतात :

(अ) निर्विकल्प प्रत्यक्ष

(ब) सविकल्प प्रत्यक्ष

(क) प्रत्यभिज्ञा

(ड) वरीलपैकी एकही नाही

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(6) अनुपलब्धि आहे :

(अ) अनुमान ज्ञान

(ब) उपमान ज्ञान

(क) अभावाचे प्रत्यक्ष ज्ञान

(ड) प्रत्यक्षजन्य ज्ञान

(7) जेव्हा अनुमान स्वत: पुरते होते तेव्हा त्याला म्हणतात :

(अ) स्वार्थ अनुमान

(ब) परार्थ अनुमान

(क) पूर्ववत अनुमान

(ड) शेषवत अनुमान

(8) प्रमाण म्हणतात :

(अ) ज्ञान साधनाला

(ब) तर्काला

(क) मानसिक ज्ञानाला

(ड) प्रमाच्या साधनाला

(9) उपमान आहे :

(अ) दोन वस्तुची समानता

(ब) स्मरणातील वस्तु-प्रत्यक्ष वस्तुंसारखी

(क) दोन भिन्न वस्तुंची समानता

(ड) दोन असमान वस्तुंची समानता

(10) ज्ञात कारणावरून अज्ञात कार्याचे अनुमान केले जाते तेव्हा ते अनुमान होय :

(अ) पूर्ववत

(ब) शेषवत

(क) सामान्यतो दृश्य

(ड) वरीलपैकी सर्व

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. जैनानुसार 'जीव-अजीव' पदार्थाचे वर्णन करा. 20

किंवा

अद्वैतवेदांतानुसार ब्रह्म संकल्पना स्पष्ट करा. 20

विभाग—ब

(पाश्चात्य)

3. थोडक्यात लिहा :

(i) 'बुद्धिवादांचे' स्वरूप. 10

(ii) 'अनुभववादाचे' स्वरूप. 10

किंवा

(अ) 'आप्तवचन' हा ज्ञानाचा स्रोत आहे. 10

(ब) 'इंद्रियानुभव' हा ज्ञानाचा स्रोत आहे. 10

4. थोडक्यात लिहा :

(i) सत्याचा फलप्रामाण्यवाद सिद्धांत. 10

(ii) सत्याचा तर्कसंगत (सुसंवाद) सिद्धांत. 10

किंवा

(अ) अनुभवपूर्व संकल्पना. 5

(ब) अनुभवाधिष्ठित संकल्पना. 5

(क) विश्लेषक आणि संश्लेषक विधाने. 10

5. 'द्रव्य' ही अध्यात्मशास्त्रीय संकल्पना सविस्तर स्पष्ट करा. 20

किंवा

'भौतिकवाद' या अध्यात्मशास्त्रीय संकल्पनेला सविस्तर स्पष्ट करा. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

विभाग—अ

(भारतीय)

1. उचित पर्याय चुनिये : 10×2=20

(1) प्रामाण्यवाद के संबंध में न्यायदर्शन समर्थन करता है :

(अ) स्वत: प्रामाण्यवाद

(ब) परत: प्रामाण्यवाद

(क) दोनों

(ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

(2) अनुमान को प्रमाण माना है :

(अ) चार्वाक दर्शन ने

(ब) न्याय दर्शन ने

(क) दोनो दर्शन ने

(ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

(3) अप्रमा है :

(अ) यथार्थ ज्ञान

(ब) अयथार्थ ज्ञान

(क) मानसिक ज्ञान

(ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

(4) अर्थापत्ति प्रमाण मानते हैं :

(अ) न्याय

(ब) चार्वाक

(क) मीमांसक

(ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(5) अतीत में देखी हुई वस्तु को देखकर पहचानना कहलाता है :

(अ) निर्विकल्प प्रत्यक्ष

(ब) सविकल्प प्रत्यक्ष

(क) प्रत्यभिज्ञा

(ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

(6) अनुपलब्धि कहते हैं :

(अ) अनुमानजन्य ज्ञान को

(ब) उपमानजन्य ज्ञान को

(क) अभाव के साक्षात ज्ञान को

(ड) प्रत्यक्षजन्य ज्ञान को

(7) जब अनुमान स्वयं के लिए होता है तो उसे कहते हैं :

(अ) स्वार्थ अनुमान

(ब) परार्थ अनुमान

(क) पूर्ववत अनुमान

(ड) शेषवत अनुमान

(8) प्रमाण कहते हैं :

(अ) ज्ञान साधन को

(ब) तर्क को

(क) मानसिक ज्ञान को

(ड) प्रमा के साधन को

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(9) उपमान है :

(अ) दो वस्तुओं की समानता

(ब) स्मृत वस्तु प्रत्यक्ष वस्तु के समान

(क) दो भिन्न वस्तुओं की समानता

(ड) दो असमान वस्तुओं की समानता

(10) ज्ञात कारण से अज्ञात कार्य का अनुमान :

(अ) पूर्ववत

(ब) शेषवत

(क) सामान्यतो दृश्य

(ड) उपरोक्त सभी

2. जैनों के अनुसार 'जीव-अजीव' पदार्थ का वर्णन कीजिये। 20

अथवा

'अद्वैत वेदांत' के अनुसार ब्रहम् संकल्पना स्पष्ट कीजिये। 20

विभाग—ब

(पाश्चात्य)

3. संक्षेप में लिखिये :

(i) 'बुद्धिवाद' का स्वरूप। 10

(ii) 'अनुभववाद' का स्वरूप. 10

अथवा

(अ) 'आप्रवचन' यह एक ज्ञान का स्रोत है। 10

(ब) 'इंद्रिय अनुभव' यह एक ज्ञान का स्रोत है। 10

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. संक्षेप में लिखिये :

(i) सत्यता संबंधी व्यवहारिकतावाद सिद्धांत। 10

(ii) सत्यता संबंधी तर्कनिष्ठा का सिद्धांत। 10

अथवा

(अ) प्रागनुभविक संकल्पना। 5

(ब) अनुभवोत्तर संकल्पना। 5

(क) विश्लेषक तथा संश्लेषक विधान। 10

5. 'द्रव्य' यह अध्यात्मशास्त्रीय संकल्पना विस्तार से स्पष्ट कीजिये। 20

अथवा

'भौतिकवाद' की अध्यात्मशास्त्रीय संकल्पना विस्तार से स्पष्ट कीजिये। 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com